P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

देवली तहसील में शैक्षिक सुविधाओं के वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Analytical Study of Distribution of Educational Facilities in Deoli Tehsil

जुबेर ख़ान
सहायक आचार्य,
भूगोल विभाग,
राजकीय महाविद्यालय,
बूंदी, राजस्थान, भारत

निकिता मंगल
व्याख्याता,
भूगोल विभाग,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, ओंकारपुरा,
बूंदी, राजस्थान, भारत

सारांश

आर्थिक विकास में शिक्षा एक महत्वपूर्ण तथ्य हैं, शिक्षा चाहे प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक किसी भी स्तर की हो क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी संदर्भ में देवली तहसील का अध्ययन किया गया है, जो राजस्थान राज्य के टोंक जिले की 7 तहसीलों में से एक है। देवली तहसील में 170 आबाद अधिवास हैं। जिनमें शैक्षिक सुविधाओं जैसे प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों के वितरण प्रतिरूप का विश्लेषण किया गया है, साथ ही यह भी विश्लेषण किया गया है, कि किसी अधिवास की न्यूनतम जनसंख्या के अनुसार वहां किस स्तर के कितने विद्यालय होने चाहिए। अध्ययन क्षेत्र में निर्धारित विधि के अनुसार सेवा प्रदत और अंतर क्षेत्रों को सीमांकित किया गया है, और जहां पर शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां उसे उपलब्ध कराने की योजना भी प्रस्तुत की गई है।

मुख्य शब्द : शैक्षिक सुविधा, आर्थिक विकास, क्षेत्रीय विकास, अधिवास।

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध पत्र में टोंक जिले की देवली तहसील में विद्यमान शैक्षिक सुविधाओं के वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में अवस्थित 170 आबाद अधिवासों को विश्लेषण की एक इकाई माना गया है, इसके अंतर्गत शैक्षिक सुविधाओं का विश्लेषण करने हेतु प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, उच्च माध्यमिक विद्यालय की अवस्थिति को केंद्र मानते हुऐ, उनसे सेवित क्षेत्र हेतु निश्चित अर्धव्यास के वृत्त खींचे गए। जो कोई अधिवास इन वृत्तो की परिधि के भीतर पाया गया उसे उस शैक्षिक केंद्र का सेवित क्षेत्र माना गया और जो अधिवास इन वृत्तों की परिधि के बाहर रहे उन्हें असेवित क्षेत्र माना गया। अंत में शोध पत्र द्वारा असेवित क्षेत्रों के लिए शैक्षिक सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु सुझाव प्रस्तुत किए गए।

उद्देश्य

1. तहसील में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं के वितरण का अध्ययन करना।
2. शैक्षिक सुविधा के लिए जनसंख्या का न्यूनतम स्तर ज्ञात करना।
3. तहसील में सेवा प्रदत और अंतरक्षेत्रों को सीमाकित करना।
4. तहसील में अंतरक्षेत्रों को सेवा प्रदान कराने के लिए योजना प्रस्तुत करना।

विधि तंत्र

यह अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों जोकि टोंक जिला जनगणना हैंडबुक 2011 और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना पर आधारित है।शैक्षिक सुविधा के लिए न्यूनतम जनसंख्या का निर्धारण रिचमंड विधि के आधार पर किया गया है।

इस अध्ययन मे शैक्षिक सुविधा की लोगों से पहुंच व दूरी के संबंध में कुछ मान्यताओं को आधार माना है। जिसमें यह माना है, कि प्राथमिक विद्यालय केवल अपने ही अधिवास को शैक्षिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय 3 किलोमीटर तक के अर्धव्यास के क्षेत्र को सेवाएं दे सकता है। माध्यमिक विद्यालय 5 किलोमीटर के अर्धव्यास के क्षेत्र को सेवाएं दे सकता है। उच्च माध्यमिक विद्यालय 8 किलोमीटर अर्धव्यास के क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे सकता है। इसी मान्यता के आधार पर ऐसे केंद्रों से 3, 5, 8 किलोमीटर अर्धव्यास के वृत्त खींचे गए। बाद में इन्हें अधिवासो की सीमा के अनुसार

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

समायोजित किया गया। अधिवास जो वृत्त के अंदर पडे उन्हें सेवाप्रदत व जो परिधि के बाहर रहे उन्हें सेवा के अंतरक्षेत्र माना गया।

अध्ययन क्षेत्र

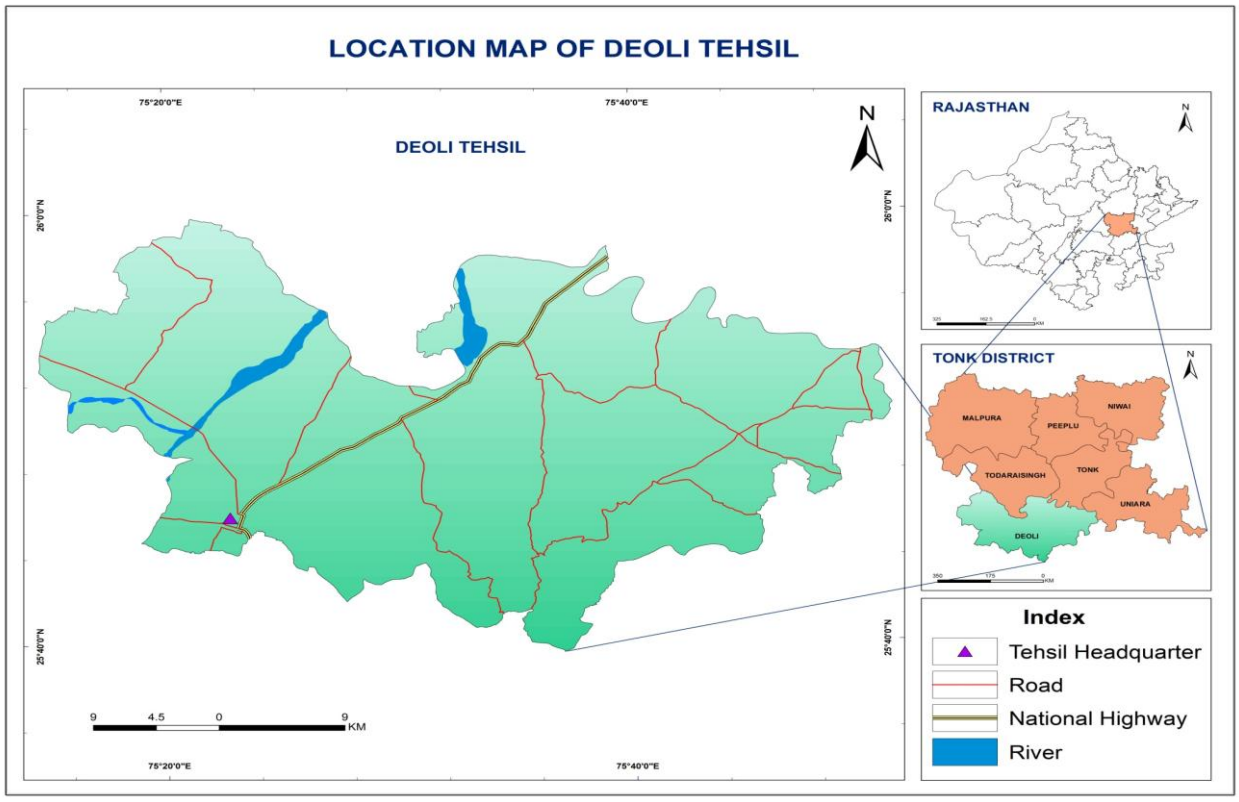

देवली तहसील टोंक जिले के दक्षिणी छोर पर $25^0$44' उत्तरी अक्षांश से $25^0$58' उत्तरी अक्षांश तथा $75^0$10' पूर्वी देशान्तर से $75^0$52' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। अध्ययन क्षेत्र की दक्षिणी सीमा पर जहाजपुर तहसील स्थित है। तहसील के पश्चिम में केकड़ी तहसील अपनी सीमा बनाती है। उत्तर में टोडारायसिंह, उनियारा व टोंक तहसीलों की सीमा अध्ययन क्षेत्र को स्पर्श करती है। पूर्व में हिण्डोली तहसील अपनी सीमा बनाती है। तहसील 1228.35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है, तथा 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 214408है।

वितरण प्रतिरूप

सारणी 1 से स्पष्ट होता है कि 500 से कम जनसंख्या वाले किसी भी अधिवास में किसी भी स्तर की शैक्षिक सुविधा उपलब्ध नहीं है।

प्राथमिक विद्यालय 170 अधिवासों में से 108 अधिवासोंमें उपलब्ध है। कुछ बड़े अधिवासोंमें एक से अधिक प्राथमिक विद्यालय भी उपलब्ध है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय केवल 56 अधिवासों में ही उपलब्ध है जिसमें 2000 से कम जनसंख्या वाले 38 अधिवासों में, 2000 से 4999 की जनसंख्या वाले 14 अधिवासों में, 5000 से अधिक जनसंख्या वाले 17 अधिवासों में उच्च प्राथमिक विद्यालय है। कुछ बड़े अधिवासों में एक से अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय है।

माध्यमिक विद्यालय मात्र 36 अधिवासों में उपलब्ध है तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय की दृष्टि से तो स्थिति दयनीय है। मात्र 14 अधिवासों में ही उच्च माध्यमिक विद्यालय उपलब्ध है।

सारणी 1
देवली तहसील : शैक्षिक सुविधा का वितरण (2011)

अधिवास प्रतिरूप	कुल अधिवास	प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	माध्यमिक विद्यालयों की संख्या	उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्या
0 से 199	16	.	.	.	.
200 से 499	45	.	.	.	.
500 से 1999	88	90	38	16	2
2000 से 4999	13	18	14	12	6
5000 से अधिक	8	33	17	11	9
योग	170	141	69	39	17

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

संपूर्ण तहसील में प्राथमिक विद्यालयों की औसत दूरी 2.87 किलोमीटर,उच्च प्राथमिक विद्यालयों की औसत दूरी 4.11 किलोमीटर,माध्यमिक विद्यालयों की औसत दूरी 5.46 किलोमीटर, उच्च माध्यमिक विद्यालय की औसत दूरी 8.27 किलोमीटर है।

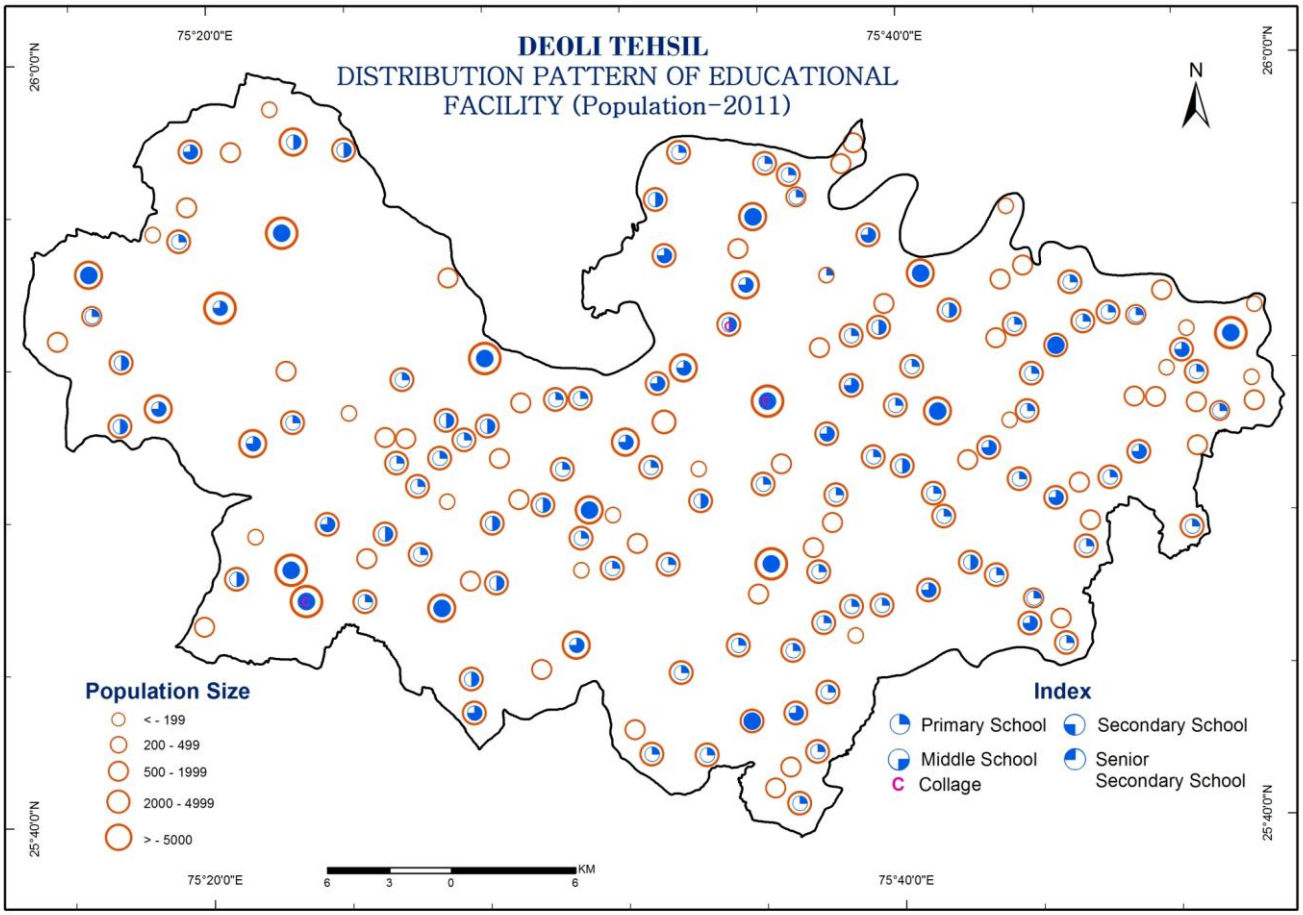

शैक्षिक सुविधा के लिए जनसंख्या का न्यूनतम स्तर

देवली तहसील मे शैक्षिक सुविधा के लिए न्यूनतम जनसंख्या का निर्धारण रिचमंड विधि के आधार पर किया गया है। जिसमें यह भी प्रदर्शित किया गया है, कि तहसील के किसी भी अधिवास में वहां की न्यूनतम जनसंख्या के अनुसार कितने प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय होने चाहिए। वर्तमान में कितने उपलब्ध हैं। तथा कितने विद्यालयों की आवश्यकता है, जोकि सारणी 2 में स्पष्ट किया गया है।

सारणी 2

देवली तहसील:शैक्षिक सुविधा के लिए न्यूनतम जनसंख्या सहित प्रस्तावित, वर्तमान तथा आवश्यक विद्यालयों की संख्या

शैक्षिक सुविधा	न्यूनतम जनसंख्या	प्रस्तावित विद्यालयों की संख्या	वर्तमान विद्यालयों की संख्या	आवश्यक विद्यालयों की संख्या
प्राथमिक विद्यालय	454	472	108	364
उच्च प्रा0 विद्यालय	2449	88	56	32
माध्यमिक विद्यालय	3049	70	36	34

शैक्षिक सुविधा का वितरण

अध्ययन क्षेत्र में सेवा प्रदत एवं अंतर क्षेत्रों को पहचानने के लिए सेवा केंद्रों को केंद्र मानकर वृत्त खींचने की विधि को प्रयुक्त किया गया है। जो अधिवास इन वृत्तों के भीतर समाएं उन्हें सेवा प्रदत माना गया और जो अधिवास खींचे गए किसी भी वृत्त में नहीं आए उन्हें अंतर क्षेत्र माना गया। जो अधिवास दो या दो से अधिक वृत्तों में सम्मिलित हुए उन्हें पूर्ण सेवित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी 3
देवली तहसीलः शैक्षिक सुविधा का विस्तार

शैक्षिक सुविधा	शैक्षिक सुविधा की त्रिज्या (किमी में)
प्राथमिक विद्यालय	केवल अधिवास
उच्च प्राथमिक विद्यालय	3
माध्यमिक विद्यालय	5
उच्च माध्यमिक विद्यालय	8

प्राथमिक विद्यालय केवल अपने ही अधिवास को सेवा दे सकता है। अध्ययन क्षेत्र का 83.80 प्रतिशत क्षेत्र तथा 91.40 प्रतिशत जनसंख्या इस सेवा द्वारा सेवित है।

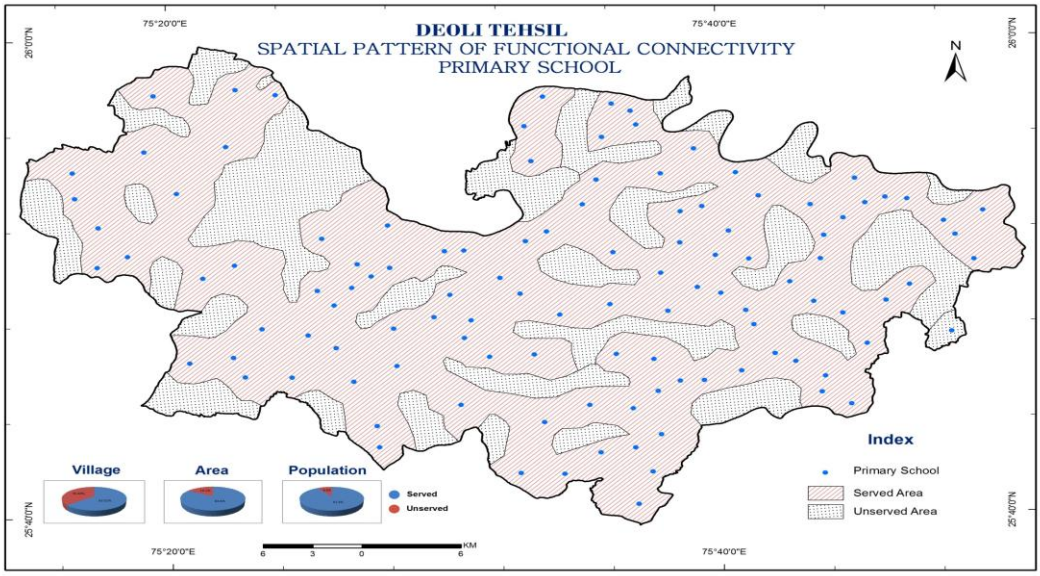

सारणी 4
देवली तहसील : शैक्षिक सुविधा, अधिवासों की संख्या

क्षेत्र	शैक्षिक सुविधा (अधिवासों की संख्या)		
	उच्च प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च माध्यमिक विद्यालय
सेवा प्रदत	56	38	35
अंतर क्षेत्र	10	3	11
पूर्ण सेवित क्षेत्र	104	129	124

अध्ययन क्षेत्र में 56 अधिवासों में उच्च प्राथमिक विद्यालय है। जो अपने से 3 किलोमीटर तक के क्षेत्रों को अपनी सेवाएं दे सकते हैं, अतः अध्ययन क्षेत्र के 160 अधिवास इस सुविधा को प्राप्त कर पा रहे हैं केवल 10 अधिवास ही इससे वंचित है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

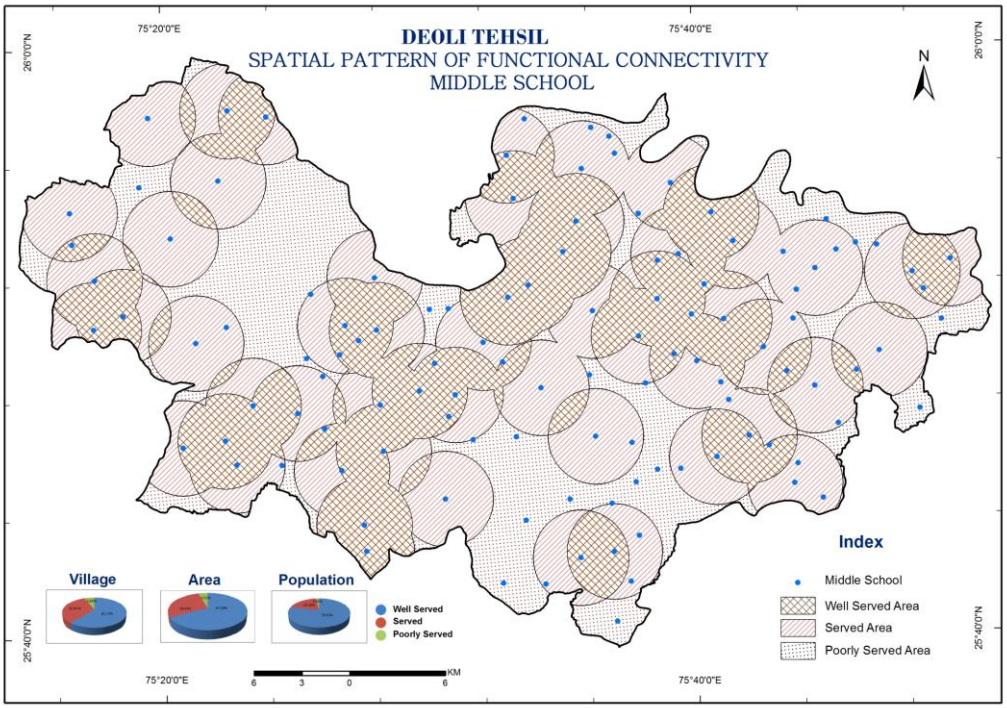

तहसील के 36 अधिवासों में माध्यमिक विद्यालय उपलब्ध है। जो अपने आसपास के 5 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे रहे हैं, अतः 170 अधिवासों में से 167 अधिवास इस सेवा का लाभ ले रहे हैं, केवल 3 अधिवास ही इससे वंचित है।

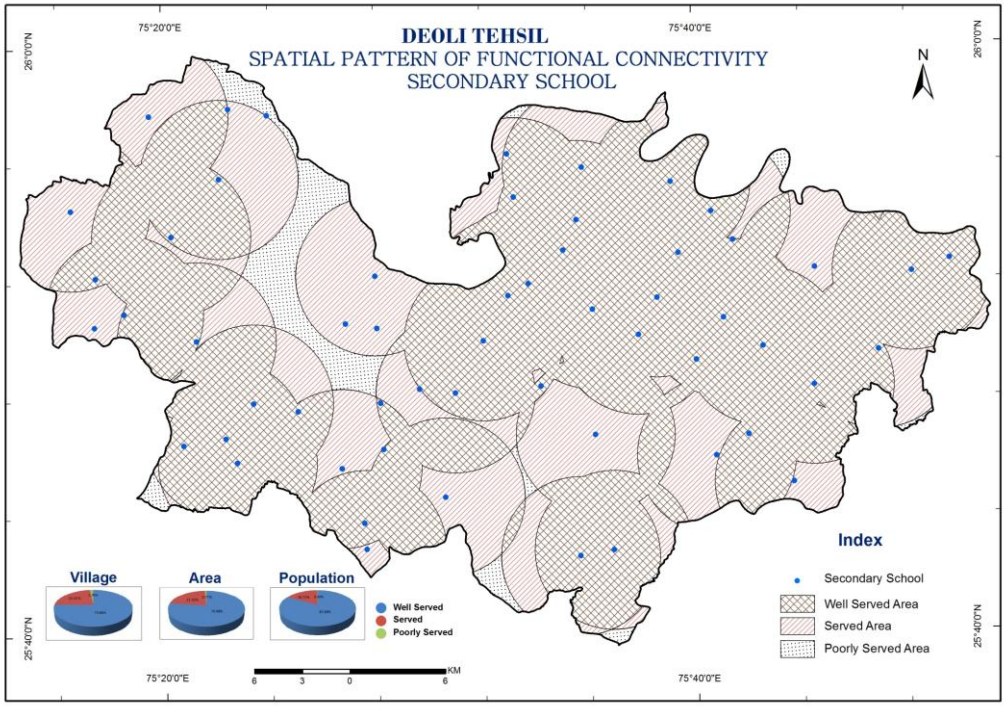

तहसील के मात्र 14 अधिवास में ही उच्च माध्यमिक विद्यालय उपलब्ध है, जो अपने आसपास के 8 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे सकते हैं। अतः 159 अधिवास इस सेवा का लाभ ले रहे हैं, व 11 अधिवास इससे वंचित है।

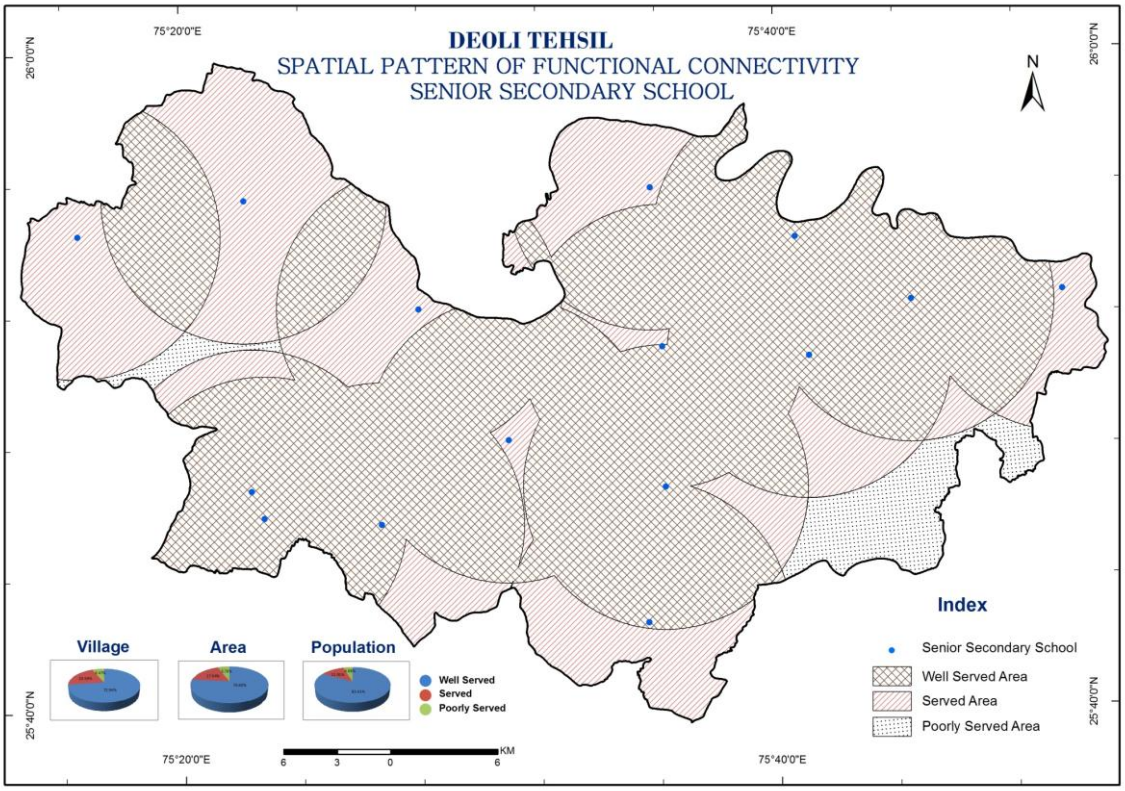

सुझाव

अध्ययन क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं के वितरण का विश्लेषण करने से ज्ञात होता है, कि 170 आबाद अधिवास में से अधिकांश अधिवासो में यह सुविधा उपलब्ध है। अतः जिन अधिवासो में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिक विद्यालय अवश्य खोले जाने चाहिए। क्योंकि प्रत्येक राष्ट्र व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य है,. क्योंकि कहा भी जाता है, कि राष्ट्रीय जीवन के साथ जितना घनिष्ठ संबंध प्राथमिक शिक्षा का है, उतना माध्यमिक या उच्च माध्यमिक का भी नहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Books

Galpin, C. (1918), Rural Life, NewYork.

Mathur, G. (1960), Proceedings of the Seminar on Rural Housing and Village Planning, New Delhi.

Mishra, G. (1972), A methodology for identifying service center in rural area, behavioral sciences and community development.

Nath, V. (1962), The Village and Community in India's Urban Future, Bombay.

Rao, V. (1985), Facets of rural development in India, Ashish publishing house 8/81, Panjabi Bagh, New-Delhi.

Journal

Carruthers, W.I.(1957), A classification of service centers in England and Wales: Geographical Journal, Vol. 23, pp. 371-386.

Nelson, H.J. (1955), A Services Classification of American Cities:Economic Geography, Vol. 31, pp. 189-210.

Tonk 2011; District Census Handbook.